The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 2 Volume - 3

September - November 2021

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 2 अंक | 3 सितंबर– नवंबर, 2021

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ0प्र0)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 2 Volume - 3
September - November 2021

अन्वीक्षण
त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 2 अंक | 3 सितम्बर–नवम्बर, 2021

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	शिक्षक सम्मान समारोह...	3–4
2.	हिन्दी दिवस का आयोजन	5
3.	विश्वविद्यालय की प्रगति...	5
4.	'महिला सुरक्षा' पर वेबिनार...	5–6
5.	अर्थनीति का भारतीयकरण....	6
6.	छात्राओं को मार्शल आर्ट...	7
7.	विश्व पर्यटन दिवस पर...	7
8.	गांधी एवं शास्त्री जयंती...	8
9.	संविधान दिवस का...	8
10.	रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम...	9
11.	राष्ट्रीय सेवा योजना के...	9–11
12.	एन0सी0सी0 के कार्यक्रम...	12
13.	महिला अध्ययन केन्द्र...	12
14.	पांच दिवसीय सेवारत...	13
15.	प्रथम शोध उपाधि समिति...	13
16.	सात दिवसीय सेवारत...	13
17.	'मिशन शक्ति' का...	14–16
18.	सम्बद्ध महाविद्यालयों...	16–17
19.	Celebration of International...	17
20.	Memorandum of Understanding..	18
21.	Shri Anand Verdhan Shukla...	18
22.	Prof. Ashok Kumar Chaubey...	18

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 कल्पलता पाण्डेय
कुलपति

संपादक
डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय

उप संपादक एवं संपादन सचिव
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 अजय बिहारी पाठक
डॉ0 मनजीत सिंह
डॉ0 यादवेन्द्र प्रताप सिंह

सम्पादक की कलम से...

विगत कुछ महीने विश्वविद्यालय के लिए काफी मुश्किल भरे रहे है। यूँ तो विश्वविद्यालय को पहले भी जलजमाव और बाढ़ के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, पर इस बार की परिस्थितियाँ निश्चय ही पहले की तुलना में ज्यादा विकट रहीं। जल–निकासी का कोई प्रबंध न होने के कारण इस बार पूरा परिसर बरसात के पानी से भर गया। विश्वविद्यालय पहुँचने वाले रास्ते से लेकर प्रशासनिक भवन एवं भोजपुरी भवन तक पहुँचने वाले रास्ते पूरी तरह जलमग्न हो गए। ऑफिस और अकादमिक भवन के अंदर घुटना भर पानी जमा हो गया। ऐसे में दैनिक कार्यों का निष्पादन भी मुश्किल हो गया। स्थिति से निपटने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने शासन– प्रशासन से मदद भी मांगी, पर कोई फायदा नहीं हुआ। इस स्थिति में कुलपति महोदया का हौसला और उनकी संकल्प–शक्ति ही हमारे काम आई। कुलपति महोदया ने हमेशा की तरह इस बार भी इस परिस्थिति से लड़ने में हमारी अगुवाई की। परिस्थिति से मुकाबला करने के लिए उन्होंने परिसर स्थित कुलपति आवास में रहकर कार्य करने का फैसला किया। प्रवेश आदि कार्यों के साथ प्रशासनिक कार्य भी सुचारु ढंग से चलें, इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने कुछ दिनों के लिए बाहर भवन आदि संसाधनों की भी व्यवस्था की। यह माननीया कुलपति जी के कुशल निर्देशन का ही फल है कि इस विपरीत परिस्थिति में भी विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियाँ समयबद्ध तरीके से सम्पन्न हुईं। शासन के निर्देश पर इस बार शिक्षक दिवस के अवसर पर नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में विशिष्ट योगदान देने वाले विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के पचहत्तर शिक्षक सम्मानित किये गए। इस कार्य के लिए जमुनाराम महाविद्यालय ने हमें जगह उपलब्ध कराते हुए सहयोग प्रदान किया। अन्य गतिविधियों के संचालन में भी इस जनपद के शिक्षण संस्थाओं का समय–समय पर हमें अपेक्षित सहयोग मिला। विश्वविद्यालय परिवार से जुड़े महविद्यालयों ने शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के सफल आयोजन एवं संचालन में जो सहयोग दिया वह हमारा हौसला बढ़ाने वाला है। 'अन्वीक्षण' का यह अंक विश्वविद्यालय परिवार की गतिविधियों की एक झलक सुधी पाठकों तक पहुंचाने का एक विनम्र प्रयास है। हमें पाठकों की प्रतिक्रिया और सुझावों का इंतजार है..

सम्पादक

शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की ओर से दिनांक 05 सितंबर, 2021 को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव के कारण यह समारोह जमुना राम पीजी कॉलेज, चितबड़ागांव के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के 75 शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 'नयी शिक्षा नीति 2020' के क्रियान्वयन में इन शिक्षकों द्वारा किए गए विशिष्ट योगदान की सराहना भी की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमवतीनंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 लल्लन जी सिंह ने कहा कि वर्तमान समय चुनौतियों से भरा हुआ है। ऐसे में शिक्षकों से उम्मीदें बढ़ी हैं। शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्र के नव निर्माण में जुट जायें। सारस्वत अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री उपेन्द्र तिवारी ने कहा कि सरकार शिक्षकों को सम्मानित कर भारतीय संस्कृति के गौरव को बढ़ा रही है। सरकार का प्रयास है कि शिक्षा को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया जाये और शिक्षकों की परेशानियों का त्वरित समाधान किया जाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने सभी सम्मानित शिक्षकों को

बधाई दी और कहा कि शिक्षक राष्ट्र व समाज की धुरी होता है। इसलिए उसका सम्मान राष्ट्र का सम्मान होता है। अतिथियों का स्वागत डॉ0 धर्मात्मानंद, संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री संतलाल पाल ने किया। कुलगीत गायन डॉ0 अरविंद उपाध्याय एवं उनके साथियों ने किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों के अलावा विश्वविद्यालय–महाविद्यालयीय शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची निम्नवत् है :–

क्र0	नाम	विभाग	महाविद्यालय / विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 साहेब दूबे	वाणिज्य	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
2	डॉ0 अवनीश चन्द पाण्डेय	दर्शनशास्त्र	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
3	डॉ0 देवेन्द्र सिंह	बी0एड0	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
4	डॉ0 रमाकान्त सिंह	बी0एड0	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
5	डॉ0 मान सिंह	बी0एड0	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
6	डॉ0 विवेक सिंह	शारीरिक शिक्षा	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
7	डॉ0 अभिषेक अर्ष	मध्यकालीन इतिहास	कमला देवी बाजोरिया डिग्री कालेज, दुबहर, बलिया।
8	डॉ0 रवि प्रताप शुक्ल	प्राचीन इतिहास	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
9	डॉ0 सच्चिदानन्द राम	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
10	डॉ0 अजय कुमार पाण्डेय	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
11	डॉ0 दिलीप कुमार श्रीवास्तव (अ.प्रा.)	भूगोल	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
12	डॉ0 उदय पासवान	भूगोल	श्री बजरंग पी0जी0 कालेज, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया
13	डॉ0 अशोक कुमार सिंह	राजनीति विज्ञान	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
14	डॉ0 हरेराम सिंह	राजनीति विज्ञान	देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरारोड, बलिया
15	डॉ0 कृष्ण कुमार सिंह	राजनीति विज्ञान	श्री बजरंग पी0जी0 कालेज, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया
16	डॉ0 शिवाकान्त मिश्र	समाजशास्त्र	देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरारोड, बलिया
17	डॉ0 फूलबदन सिंह	हिन्दी	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
18	डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव	हिन्दी	गुलाब देवी महिला महाविद्यालय, बलिया।
19	डॉ0 बब्बन राम	हिन्दी	मथुरा पी0जी0 कालेज, रसड़ा, बलिया।
20	डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय	हिन्दी	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
21	डॉ0 अखिलेश कुमार राय	हिन्दी	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
22	डॉ0 अजय बिहारी पाठक	हिन्दी	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
23	डॉ0 ममता वर्मा	मनोविज्ञान	गुलाब देवी महिला महाविद्यालय, बलिया।
24	डॉ0 अनुराग भटनागर	मनोविज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
25	डॉ0 नेहा आचार्य	मनोविज्ञान	गुलाब देवी महिला महाविद्यालय, बलिया।
26	डॉ0 उमेश सिंह	गणित	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
27	डॉ0 निशा राघव	वनस्पति विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
28	डॉ0 दयालानन्द राय	प्राणि विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।

29	डॉ0 सुचेता प्रकाश	प्राणि विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
30	डॉ0 अनिल कुमार	प्राणि विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
31	श्री धीरेन्द्र कुमार	रसायन विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
32	डॉ0 अखिलेश प्रसाद	रसायन विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
33	डॉ0 माला कुमारी	रसायन विज्ञान	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
34	डॉ0 सुजीत कुमार वर्मा	भौतिक विज्ञान	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
35	डॉ0 शिवेन्दु त्रिपाठी	भौतिक विज्ञान	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
36	डॉ0 ओम प्रकाश सिंह	कृषि (आनु. एवं पादप प्रजनन)	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
37	डॉ0 बृजेश सिंह	कृषि (आनु. एवं पादप प्रजनन)	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
38	डॉ0 कौशल कुमार पाण्डेय	कृषि (शस्य विज्ञान)	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
39	डॉ0 इन्द्र प्रताप सिंह	कृषि (पशु. एवं दुग्ध विज्ञान)	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
40	डॉ0 संदीप कुमार पाण्डेय	कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
41	डॉ0 आलिया खातून	शिक्षाशास्त्र	मथुरा पी0जी0 कालेज, रसड़ा, बलिया।
42	डॉ0 ओंकार सिंह	बी0एड0	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
43	डॉ0 आशुतोष कुमार यादव	समाजशास्त्र	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
44	डॉ0 वन्दना पाण्डेय	वाणिज्य	श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया।
45	डॉ0 विनीत कुमार तिवारी	शिक्षाशास्त्र	श्री बजरंग पी0जी0 कालेज, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया
46	डॉ0 शुभनीत कौशिक	मध्यकालीन इतिहास	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
47	डॉ0 अन्जू पटेल	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
48	डॉ0 शिवेश प्रसाद राय	राजनीति विज्ञान	अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दुबेछपरा, बलिया।
49	डॉ0 शिव कुमार दूबे	राजनीति विज्ञान	मथुरा पी0जी0 कालेज, रसड़ा, बलिया।
50	डॉ0 रामावतार उपाध्याय	राजनीति विज्ञान	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
51	डॉ0 आकांक्षा उपाध्याय	मनोविज्ञान	सुदृष्टिपुरी पी0जी0 कालेज, रानीगंज, बलिया।
52	डॉ0 आनन्द कुमार द्विवेदी	समाजशास्त्र	सुदृष्टिपुरी पी0जी0 कालेज, रानीगंज, बलिया।
53	डॉ0 शिवेन्द्र नाथ दूबे	वाणिज्य	शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया।
54	डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी (अ. प्रा.)	बी0एड0	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
55	डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय	अर्थशास्त्र	कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया
56	डॉ0 सत्येन्द्र कुमार मिश्र	भूगोल	नीलम देवी महाविद्यालय, धतुरी टोला, बलिया।
57	डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय	हिन्दी	जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर, बलिया।
58	डॉ0 रामशरण पाण्डेय (अ. प्रा.)	समाजशास्त्र	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
59	डॉ0 मनीषा सिंह	राजनीति विज्ञान	जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर, बलिया।
60	डॉ0 अपराजिता उपाध्याय	समाजकार्य	जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर, बलिया।
61	डॉ0 यादवेन्द्र प्रताप सिंह	अंग्रेजी	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया
62	डॉ0 अभयनाथ सिंह	हिन्दी	किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा रतसड़, बलिया।
63	डॉ0 शैलेन्द्र कुमार राय	भूगोल	अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दुबेछपरा, बलिया।
64	डॉ0 अनिल कुमार तिवारी	भूगोल	कमला देवी बाजोरिया डिग्री कालेज, दुबहर, बलिया।
65	डॉ0 श्वेता सिंह	हिन्दी	नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, रसड़ा, बलिया
66	डॉ0 रामजी सिंह	शारीरिक शिक्षा	नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, रसड़ा, बलिया
67	डॉ0 प्रियंका राय	हिन्दी विभाग	गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया।
68	डॉ0 धनन्जय राय	डी0एल0एड0	गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया।
69	डॉ0 सुनील कुमार ओझा	भूगोल	अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दुबेछपरा, बलिया।
70	डॉ0 संजय कुमार मिश्र	राजनीति शास्त्र	अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दुबेछपरा, बलिया।
71	डॉ0 राजेश कुमार श्रीवास्तव	प्राचीन इतिहास	महाविद्यालय, बांसडीह, बलिया।
72	श्री राकेश कुमार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	गोपाल जी महाविद्यालय, रेवती, बलिया।
73	श्री राजेश्वर कुमार	समाजशास्त्र	शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया।
74	डॉ0 धर्मात्मानन्द	अर्थशास्त्र	मथुरा पी0जी0 कालेज, रसड़ा, बलिया।
75	डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	सतीश चन्द्र कालेज, बलिया

हिन्दी दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में दिनांक 14 सितम्बर, 2021 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि जिस राष्ट्र की भाषा नहीं होती वह राष्ट्र संप्रेषणीयता के अभाव में मृतप्राय हो जाता है। दुखद है कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम स्वतंत्र नहीं हो सके और अंग्रेज़ियत हमारे मन–मस्तिष्क में रच–बस गयी है। जब तक हम इससे मुक्त नहीं होंगे तब तक हिन्दी का विकास रुका रहेगा। डॉ0 अखिलेश राय ने कहा कि हिन्दी का विकास उसकी लोकभाषाओं के विकास के साथ होगा। उर्दू हमारी मौसी है, उर्दू के शब्दों के प्रयोग से खड़ी बोली की खड़खड़ाहट दूर होती है। हिन्दी के अहिंदीकरण के इस युग में हिन्दी को बचाने की आवश्यकता है। डॉ0 जैनेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि हिन्दी स्वतंत्रता संग्राम की भाषा रही है। संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा बड़ी मुश्किलों से प्राप्त हुआ है। अब हमें इसके प्रयोग और प्रभाव क्षेत्र का विकास करने की आवश्यकता है।

वैज्ञानिक और तकनीकी या अन्य विषयों की पुस्तकों का हिन्दी में लेखन होना चाहिए। शैक्षणिक निदेशक डॉ0 गणेश कुमार पाठक ने कहा कि हिन्दी भाषा रोजगार की भी भाषा है। हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, स्क्रिप्ट लेखन आदि विविध क्षेत्रों में हिन्दी के ज्ञान की आवश्यकता है। इस अवसर पर छात्र शुभम और रंजन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्राध्यापक गण डॉ0 अतुल, डॉ0 अपराजिता, डॉ0 वंदना, डॉ0 शैलेंद्र, डॉ0 आशीष भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रेस वार्ता

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय को मौजूदा वर्ष में पांच पी0जी0 डिप्लोमा कोर्स व चार पी0जी0 डिग्री कोर्स की सौगात मिली है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने दिनांक 14 सितम्बर, 2021 को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। आपने बताया कि इसके लिए राज्यपाल की स्वीकृति मिल गई है। आपने उम्मीद जतायी कि इन नए कोर्सों के संचालन से जिले में रोजगार सृजन व पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। कुलपति ने कहा कि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल को गति देने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी उद्‌देश्य से रोजगारपरक विषयों की पढ़ाई शुरू करने पर जोर है। साथ ही जिले में पर्यटन से जुड़ी अपार सम्भावनाओं को लेकर भी विश्वविद्यालय लगातार क्रियाशील है। कुलपति ने कहा कि पी0जी0 डिप्लोमा और पी0जी0 के चार विषयों के साथ ही इसी वर्ष से कृषि व विज्ञान के रूप में दो संकाय बढ़ जायेंगे। बी0एस0सी0 (कृषि) भी शुरू होने वाला है। साथ ही पांच वर्षीय एल0एल0बी0, फार्मेसी व नर्सिंग भी शुरू किया जायेगा। इन विषयों को प्रारम्भ करने से विश्वविद्यालय जिले व क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने में सफल हो सकेगा।

कुलपति के अनुसार पर्ल कल्चर, जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन, योग एवं नेचुरोपैथी, जी0एस0टी0 और टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटैलिटी में पी0जी0 डिप्लोमा कोर्स की अनुमति मिल गई है। इसके अलावा एम0एस0सी0 कृषि (हॉर्टीकल्चर), एम0एस0सी (फिशरीज), एम0एस0सी0 (फिजिक्स) व एम0एस0सी0 (मैथ) के पी0जी0 कोर्स खोलने की भी अनुमति राज्यपाल ने दे दी है।

कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की विकासवादी नीतियों की जानकारी देते हुए कहा कि देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ लगातार वार्ता चल रही है। फिलहाल राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के कुलपति और जिले के ही निवासी प्रो0 आर0सी0 श्रीवास्तव के साथ एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है। इसमें केले व उसके छिलको और अरहर के डंठल के उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाई जायेगी। उन्होंने कहा कि सर्टिफिकेट कोर्स के लिए राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ भी एम0ओ0यू0 हस्ताक्षर किया जा रहा है। इग्नू से भी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए एम0ओ0यू0 की बात चल रही है। दो नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिए गए हैं।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित हो रहे भवन के पांच ब्लाक अगले साल जून तक उपलब्ध हो जायेंगे। इससे परिसर में अध्ययन की सुविधायें बढ़ जायेंगी। कुलपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय को स्थापित करने के लिए बलिया के लोगों को आगे आना चाहिए। सब मिलकर इस विश्वविद्यालय को ऊँचाई पर ले जायेंगे। प्रेस कांफ्रेंस में विश्वविद्यालय के पी0आर0ओ0 डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय, डॉ0 अखिलेश राय, डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय आदि थे।

'महिला सुरक्षा' पर वेबिनार का आयोजन

दिनांक 19 सितम्बर 2021 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा मिशन शक्ति के तृतीय चरण के कार्यक्रम के अंतर्गत 'महिला सुरक्षा के विभिन्न पहलू' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया माननीय कुलपति महोदया प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा पाण्डेय, उप जिलाधिकारी, बलिया सदर ने महिलाओं की सुरक्षा के विभिन्न प्रावधानों का विवरण बहुत ही सरल शब्दों में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आई0पी0सी0 की 312, 313, 314, 315 आदि धाराएँ महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा प्रदान करती हैं। महिलाओं को आत्मरक्षा और अपने चरित्र की रक्षा हेतु आक्रमण करने वाले की हत्या करने तक का अधिकार देती है। 2013 के 'निर्भया एक्ट' के तहत बलात्कार जैसे क्राइम को बहुत गंभीर बनाते हुए इसमें ऐसा परिवर्तन किया गया है जिससे बलात्कारी को इस धारा के अंतर्गत

फांसी तक की सजा हो सकती है अथवा न्यूनतम 7 साल जेल की सजा मिलती है। उन्होंने अपने व्याख्यान में महिलाओं के अधिकारों की भी विवेचना की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक महिला को अपनी सुरक्षा संबंधी कानूनों की जानकारी होनी चाहिए, इसके लिए मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए जिसके द्वारा प्रत्येक महिला इन कानूनों से अवगत हो सकें। आज इंटरनेट से महिलाएँ कही से कभी भी शिकायत कर सकती है और अपने आप को सुरक्षित रख सकती हैं। अंतःसंवाद सत्र में उन्होंने 'पॉक्सो एक्ट' व 'विशाखा वाद' की भी जानकारी दी, जिसमें कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक भेदभाव और शोषण से संरक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने किसी आपराधिक विवेचना के संदर्भ में महिलाओं की गिरफ्तारी के नियम और निजी अधिकार के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वागत एवं विषय प्रवर्तन डॉ0 गौरीशंकर द्विवेदी, प्राचार्य, अमरनाथ मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुबे छपरा, बलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया एवं अंतःसंवाद सत्र का संचालन मिशन शक्ति कार्यक्रम की संयोजिका डॉ0 सुचेता प्रकाश द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 गणेश कुमार पाठक, शैक्षणिक निदेशक, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर द्वारा किया गया। आज के कार्यक्रम में 'एजेंट ऑफ़ चेंज' के रूप में डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, श्री अतुल सिंह, श्री आशीष सिंह, श्री शैलेंद्र सिंह, एवं विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों को चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय, डॉ0 राम शरण पाण्डेय, डॉ0 अरविंद नेत्र पाण्डेय, डॉ0 राजेश्वर कुमार, डॉ0 जैनेंद्र कुमार पाण्डेय, डॉ0 मान सिंह, डॉ0 निशा राघव, डॉ0 अशोक सिंह, डॉ संजय मिश्र, डॉ0 अतुल, डॉ0 शैलेंद्र, डॉ0 वंदना, डॉ0 अपराजिता आदि सम्मानित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

'अर्थनीति का भारतीयकरण : पं0 दीन दयाल उपाध्याय की दृष्टि' विषयक वेबिनार का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से 25 सितम्बर, 2021 को 'अर्थनीति का भारतीयकरण : पं0 दीन दयाल उपाध्याय की दृष्टि' विषयक एक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता चन्द्रशेखर शोध पीठ एवं अध्ययन केंद्र के निदेशक एवं कुँवर सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अशोक कुमार सिंह ने की। इसमें वक्ताओं में केन्द्रीय विश्विद्यालय, मणिपुर के पूर्व कुलपति प्रो0 आद्या प्रसाद पाण्डेय, स्कूल ऑफ़ सोशल साइंस, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के अध्यक्ष प्रो0 डी0के0 मदान एवं आई0सी0ए0आई0 के सदस्य डॉ0 डी0आर0 अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत संचालक एवं संयोजक डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय द्वारा माँ सरस्वती की आराधना से हुआ। इस क्रम में स्वागत भाषण जननायक विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। प्रो0 आद्या प्रसाद पाण्डेय ने पं0 दीन दयाल उपाध्याय की 105वीं जयंती के अवसर पर अपने महत्वपूर्ण व्याख्यान में कहा कि वर्तमान समय में आर्थिक संवृद्धि के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। व्यक्ति का कल्याण समग्र विकास पर आधारित हो सकता है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय इस अर्थ में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक चिंतक थे। वे सनातनी चिंतन को जारी रखने में पूर्णतः सफल रहे। वास्तव में वे मानव चिंतन के कुशल चितेरे थे। आत्मनिर्भर भारत विषय पर केंद्रित अपने वक्तव्य में डॉ0 डी0के0 मदान ने उनके दर्शन पर विशद प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने एकात्म जीवन दर्शन के माध्यम से भारत को एक प्रगतिशील विचार प्रदान किया। वर्तमान समय में भारत की समृद्ध आर्थिक स्थिति का आकलन उनके सैद्धांतिक विचारों के माध्यम से करते हुए पूर्णतः प्रासंगिक बनाया जा सकता है। अर्थशास्त्र को कठिन विषय माना जाता है परन्तु उस विषय को सहज तरीके से प्रस्तुत करते हुए आर्थिक विशेषज्ञ एवं बहुभाषाविद डॉ0 डी0आर0 अग्रवाल ने स्वदेशी एवं स्वालंबन विषय को वर्तमान संदर्भ में प्रामाणिक आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने पं0 दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को उदाहरणस्वरूप व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अपने व्यावहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपनायी जाने वाली आत्मीयता को ग्रहण करना चाहिए। आज शरीर को आहार की, मन को प्यार की, बुद्धि को विचार की तथा आत्मा को साक्षात्कार की जरूरत है। इसके अभाव में भारत आर्थिक दृष्टि से काँप रहा है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने भारत की प्रति व्यक्ति आय, मानव विकास सूचकांक तथा सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर मानव संसाधनों की उपादेयता सिद्ध की और विकास के लिए पुनः छः सूत्री मानदण्डों का उल्लेख कियाः– गरीब, ग्राम, रोजगार केंद्रित, विकेंद्रीकरण की व्यवस्था पर आधारित, पर्यावरण आधृत एवं धर्म–संस्कृति आधारित। ऑनलाइन संगोष्ठी में अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ0 अशोक सिंह ने कहा कि यदि हम दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करेंगे तो निःसंदेह सशक्त एवं स्वावलंबी भारत के सपनों को साकार करने में समर्थ होंगे। कार्यक्रम का संचालन शोध पीठ के संयोजक डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय, आतिथ्य परिचय सह संयोजक डॉ0 अजय बिहारी पाठक, डॉ0 हरिशंकर सिंह, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद पटेल एवं आभार सह संयोजक डॉ0 मनजीत सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ0 गणेश पाठक, बाबा राघव मैथ डिग्री कालेज, बरहज, डॉ0 अरविंद पाण्डेय, गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय, प्रो0 शिरीष तिवारी, अयोध्या से डॉ0 रेखा सिंह, डॉ0 अमित कुमार सिंह, डॉ0 निशा राघव, डॉ0 सत्यप्रकाश सिंह, डॉ0 फूलबदन सिंह, डॉ0 अशोक सिंह, डॉ0 संजय, सच्चिदानन्द, डॉ0 दिव्या मिश्रा, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. अवनीश जगन्नाथ, अनुज पाण्डेय, डॉ0 संतोष कुमार सिंह, डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव, डॉ0 चन्द्रशेखर पाण्डेय, डॉ0 मान सिंह, डॉ0 शैलेश पाण्डेय, आनन्द सिंह, मनोज, विकास कुमार, रजिंदर सहित प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।

छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण

'मिशन शक्ति–3' के अन्तर्गत जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक परिसर में दिनांक 27 सितंबर, 2021 को छात्राओं की आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु एक परामर्श सत्र एवं मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय एवं किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा, रतसर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मार्शल आर्ट के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक चाँदनी चौहान(ब्लैक बेल्ट) तथा ब्लैक बेल्ट प्राप्त प्रशिक्षक विवेक चौहान के साथ अन्य 15 प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा छात्र – छात्राओं को आत्म रक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षा के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षणोपरान्त विश्वविद्यालय के शैक्षणिक निदेशक डा० गणेश कुमार पाठक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया गया। अपने संबोधन में डॉ० पाठक ने कहा कि नारियाँ कभी भी अबला नहीं रही हैं, वे सदैव सशक्त रही हैं। प्राचीन काल से ही भारत में नारियों को सम्मान प्राप्त होता रहा है। नारी में इतनी शक्ति है कि उसकी शक्ति के आगे कोई भी बुरी सोच वाला व्यक्ति धराशायी हो सकता है। नारी को अपने को पहचानने की जरूरत है। आज नारी को पुरुष के साथ प्रतिद्वंद्विता

का भाव न रखकर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए अपना, परिवार और राष्ट्र का विकास करने की सोच रखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की संयोजिका डा० सुचेता प्रकाश द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा० बीना पाण्डेय, डा० मनीषा सिंह, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, डा० प्रमोद शंकर पाण्डेय, डा० यादवेंद्र प्रताप सिंह, सुश्री वंदना सिंह यादव, आशीष सिंह एवं शैलेन्द्र कुमार सिंह आदि असिस्टेंट प्रोफेसरों एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्व पर्यटन दिवस पर वेबिनार का आयोजन

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार 27 सितंबर को 'समावेशी विकास में पर्यटन की उपादेयता' विषय पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रो0 अतुल कुमार त्रिपाठी, आचार्य एवं अध्यक्ष, कला इतिहास एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने कहा कि मूर्त व अमूर्त कला विरासत को सहेजने की जरूरत है। विलुप्त होती भाषाओं, व्यंजनों, लोक संस्कृति को बचाने के साथ इसे पर्यटन से जोड़ा जा सकता है। पर्यटन इस प्रकार स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने के साथ हाशिये के लोगों के विकास में अपना योगदान दे सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सुभाष चन्द्र यादव, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, वाराणसी ने बताया कि बलिया जनपद में 100 से भी अधिक पुरातात्विक स्थल हैं, जहाँ अतीत में एक विकसित मानव संस्कृति के प्रमाण मिलते हैं। कुषाण काल में खैराडीह में व्यवस्थित नगर संरचना, सीवेज सिस्टम आदि के प्रमाण प्राप्त हैं। राम वन गमन के प्रसंगों से बलिया के विभिन्न क्षेत्र जुड़े हुए हैं। वाल्मीकि से जमदग्नि तक की ऋषि परंपरा से भी बलिया के विभिन्न स्थल जुड़े हुए हैं। दुर्भाग्य से इन स्थलों का संरक्षण नहीं हो पाया है। इन स्थलों के पुरातात्विक महत्त्व को दर्शाते हुए लेखन कर बलिया को एक महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पांडेय ने कहा कि पर्यटन विश्व की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है। पर्यटन के विविध आयाम हैं जो रोजगार सृजन में अपना योगदान देते हैं। बलिया का अतीत सांस्कृतिक रूप से गौरवपूर्ण रहा है। साहित्यकारों, क्रांतिकारियों, ऋषियों की सुदीर्घ परंपरा यहाँ मिलती है। इस

परंपरा को सहेजने की जरूरत है। इसे पर्यटन के द्वारा संरक्षित किया जा सकता है और बलिया को पर्यटन के एक अंतरराष्ट्रीय केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। विश्वविद्यालय इस दिशा में अपना पूरा प्रयत्न करेगा। बलिया के निवासी भी इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे, ऐसी अपेक्षा है। गोष्ठी में अतिथि स्वागत व विषय प्रवर्तन शैलेंद्र कुमार सिंह, प्राध्यापक, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास ने, संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शैक्षणिक निदेशक डॉ0 गणेश कुमार पाठक ने किया। गोष्ठी में डॉ0 अशोक कुमार सिंह, प्रो0 रामेश्वर प्रसाद सिंह, आभा पाठक, मोनालिसा सिंह, डॉ0 मनीषा सिंह आदि विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा परिसर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया

गांधी एवं शास्त्री जयंती का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 2 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात 'राष्ट्र निर्माण में महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री का प्रदेय' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कला संकायाध्यक्ष डॉ0 फूलबदन सिंह ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाना तभी सार्थक हो सकता है जब हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। समाज विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ0 सुधाकर प्रसाद तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में गांधी जी की प्रासंगिकता बढ़ी है। सत्य और अहिंसा के उनके सिद्धांत को व्यवहार जगत में अपनाने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय परिसर के शैक्षणिक निदेशक डॉ0 गणेश कुमार पाठक ने कहा कि गांधी जी के विचार सर्वतोमुखी रहे हैं। नारी शिक्षा, बुनियादी शिक्षा, स्वच्छता आदि पर उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। यही कारण है कि सरकारें उनके विचारों को अपना रही हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि गांधी जी ने बुनियादी शिक्षा, ट्रस्टीशिप, सर्वोदय आदि के जो सिद्धांत दिये, उसे अपने जीवन में अपनाया भी। सत्य और अहिंसा के उनके दर्शन को परवर्ती समय में पूरे विश्व ने मान्यता

दी। शास्त्री जी ने भी आदर्श को व्यवहार जगत में अपनाकर दिखाया। उच्च पदों पर रहते हुए भी वे और उनका परिवार साधारण जीवन जीते रहे। शास्त्री जी का कद भले ही छोटा था किन्तु वे दृढ़प्रतिज्ञ व्यक्ति थे। पाकिस्तान के साथ युद्ध और अमेरिका को खाद्यान्न न देने पर माकूल जवाब देना उन्हीं के वश की बात थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संत लाल पाल ने किया । इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापक डॉ0 मनीषा सिंह, डॉ0 अपराजिता उपाध्याय एवं कर्मचारी अतुल, किशन, अविनाश, सुरेंद्र, चंद्रमा, राजेश आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस का आयोजन

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 26 नवंबर, 2021 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए डॉ० रामशरण पाण्डेय, निदेशक, शैक्षणिक ने कहा कि संविधान में सहिष्णुता और समानता पर बल दिया गया है। यदि परंपरा समय के साथ परिवर्तित नहीं होती तो वह रूढ़ि बन जाती है। इसी लिए भारतीय संविधान को समायानुरूप बनाने के लिए इसमें संशोधन की व्यवस्था है। डॉ० मनीषा सिंह, प्राध्यापिका, राजनीति विज्ञान ने संविधान की प्रस्तावना के महत्व को बताते हुए युवाओं का आह्वान किया कि वे एक जागरूक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन करें तभी भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। डॉ० ओमप्रकाश तिवारी, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र ने कहा कि भारतीय संविधान में विभिन्न देशों के संविधानों की विशेषताओं को समाहित किया गया है। इसमें नागरिकों को 6 मूल अधिकार देने के साथ ही न्यायालय को उसकी संरक्षा का अधिकार दिया गया है। मध्यकालीन इतिहास के प्राध्यापक डॉ० शैलेंद्र सिंह ने संविधान के निर्माण एवं विकास को केंद्र में रखते हुए संविधान के निर्माण में संविधान सभा के सदस्यों की भूमिकाओं और योगदान की विस्तृत चर्चा की। अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ० राघवेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्राध्यापक डॉ० नीरज पाण्डेय ने कहा कि भारतवर्ष तर्पण की भूमि है, अर्पण की भूमि है। लाखों क्रांतिकारियों ने अपने जीवन का उत्सर्ग किया तब हमें आज़ादी मिली, अतः यह अवसर उनके बलिदानों को याद करने का है। अंग्रेज़ी की प्राध्यापिका डॉ० ऋतंभरा दुबे ने विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं का उल्लेख किया। विषय प्रवर्तन करते हुए राजनीति विज्ञान के

प्राध्यापक डॉ० मिथिलेश कुमार सिंह ने संविधान की उद्देशिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर परिसर के विद्यार्थियों शालू, अनुष्कृति, शशांक, सतीश, सांची, अर्पित, संयोगिता, अखिलेश, प्रज्वल, वैभव, प्रीति, धनंजय, दीपेश, शिवांगी, पप्पू, ऋचा, नीरज, अनीश, बाबूराम, विवेक, अर्जुन, अनुज, मिहिरदेव, गुड़िया एवं सौरभ ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आरंभ संविधान की उद्देशिका के वाचन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ० प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संतलाल पाल ने किया। इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापकगण डॉ० नेहा विशेन, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, डॉ० रंजीत पाण्डेय, डॉ० खुशबू दुबे, डॉ० अतुल कुमार, डॉ० आशीष सिंह, डॉ० तृप्ति तिवारी, डॉ० अमित कुमार सिंह, डॉ० वंदना यादव, डॉ० सुरारी पाण्डेय एवं डॉ० यादवेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम

विश्वविद्यालयीय रोवर्स/रेंजर्स की वर्ष पर्यन्त चलने वाली गतिविधियों के क्रम में माह सितम्बर, 2021 में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 21 बी0एड0 महाविद्यालयों के 1563 रोवर्स/रेंजर्स प्रशिक्षुओं के 5 दिवसीय स्काउट एवं योग प्रशिक्षण हेतु योग्य स्काउट एवं योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में, प्रशिक्षण शिविर का आयोजन उनके महाविद्यालय में किया गया। प्रशिक्षण शिविर में 1507 रोवर्स/रेंजर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा 56 प्रशिक्षु अनुपस्थित थे। शासन के निर्देश पर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति' एवं 'अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत चलाये जा रहे विविध कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के रोवर्स/रेंजर्स भी उत्साह पूर्वक प्रतिभाग कर रहे हैं। जनपद में मतदाता सूची में असंतुलित लिंगानुपात को संतुलित करने के उद्देश्यों से महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न करने तथा उन्हें मतदाता सूची से सम्बद्ध करने के लिये विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के रोवर्स/रेंजर्स ने जागरूकता कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिये समय–समय पर जागरूकता रैलियाँ भी आयोजित की गयीं। 26 नवम्बर, 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालयों में विचारगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिनमें अन्य प्रतिभागियों के साथ ही रोवर्स/रेंजर्स ने भी संविधान के प्रति आस्था एवं प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को संविधान के प्रस्ताव की शपथ दिलायी गयी तथा संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों से अवगत कराया गया। उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड प्रादेशिक मुख्यालय, गोल मार्केट, महानगर लखनऊ के तत्वावधान में एवं जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के संयोजकत्व में जनपद में पहली बार रोवर/रेंजर लीडर बेसिक कोर्स शिविर का आयोजन जननायक चन्द्रशेखर एजुकेशन एकेडमी एवं ट्रेनिंग सेंटर मिड्ढ़ा, बलिया में किया गया। प्रशिक्षण शिविर दिनांक 23 अक्टूबर, 2021 से 29 अक्टूबर, 2021 तक संचालित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के 18 रोवर्स एवं 13 रेंजर लीडरों ने प्रतिभाग

किया। प्रशिक्षुओं को निर्धारित विषयों का विधिवत् प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें स्काउट–गाइड प्रार्थना, झंडा गीत, ध्वज शिष्टाचार, गाँठ बंधन, तम्बू, पुल, टेंट, गेट एवं टावर निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा, मार्च पास्ट, बी0पी0 सिक्स आदि पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण सम्मिलित था। कोर्स मुख्यालय से नियुक्त एल0ओ0सी0 प्रमोद कुमार दूबे एवं बेबी खुशनुमा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के छठे दिन वृहद कैम्प फायर का आयोजन किया गया जिसमें स्काउटिंग से सम्बन्धित समस्त पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं जनपद के गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाग किया। कैम्प फायर कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सभी टोलियों ने स्काउटिंग के उद्देश्यों से लक्षित, उच्चस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बेसिक कोर्स प्रशिक्षण शिविर के सकुशल आयोजन से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में रोवर्स/रेंजर्स गतिविधियों को संचालित करने में सहायता प्राप्त होगी। प्रशिक्षण प्राप्त रोवर्स/रेंजर्स लीडर अपने महाविद्यालय के रोवर्स/रेंजर्स को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये सर्वथा योग्य होंगे। उक्त शिविर का आयोजन माननीय कुलपति महोदया की अध्यक्षता में दिनांक 26.01.2021 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सम्पन्न विश्वविद्यालय रोवर्स/रेंजर्स के बैठक के लिये गये निर्णय के अनुपालन में किया गया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

4 सितम्बर, 2021 को प्रातः 09.00 बजे श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर ने भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलब्ध में मनाये जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत फ्रीडम रन का आयोजन किया। श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया सम्बद्ध जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक/सेविकाओं ने भाग लिया। इसी क्रम में कई अन्य महाविद्यालयों द्वारा भी आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 'फ्रीडम फॉर रन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 05 सितम्बर, 2021 को शिक्षक दिवस पर कुबेर महाविद्यालय हसनपुर जजौली, तिलेश्वरी महाविद्यालय, आर0एन0सी0 महाविद्यालय, जय मौनी बाबा देवा गिरधारी महाविद्यालय, हीरानन्द महाविद्यालय, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुंवर सिंह महाविद्यालय, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवराज स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पृथ्वी शिव किसान मजदूर पी0जी0 कालेज एवं जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अन्य महाविद्यालयों द्वारा भी शिक्षक दिवस पर वाद–विवाद भाषण, स्लोगन तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 08 सितम्बर, 2021 को 'आजादी की कहानीः हिन्दी पत्रकारिता की जुबानी' विषय पर एक वेब संगोष्ठी का आयोजन श्री अंशुमाली शर्मा राज्य सम्पर्क अधिकारी एन0एस0एस0 एवं अशोक श्रोती क्षेत्रीय निदेशक एन0एस0एस0 उ0प्र0 द्वारा आयोजित की गयी। जिसमें मुख्य अतिथि सुभाष चन्द्र शर्मा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग उ0प्र0 तथा मुख्य वक्ता संजय द्विवेदी, महानिदेशक, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली रहे। इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों ने भाग लिया। स्वीप योजना के अन्तर्गत जिला प्रशासन, बलिया द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कला शिक्षा डॉ0 इफ्तेखार खान, नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक श्री अतुल

शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 साहेब दूबे एवं अन्य अतिथिगण तथा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने बड़े पैमाने पर भाग लिया। इसमें 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थियों को वोटर बनाने पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। 10 सितम्बर, 2021 को 'मुस्कुरायेगा इण्डिया' यूनिसेफ के तत्वावधान में 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' पर 10 सितम्बर को एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 सुनील पाण्डेय, स्टेट नोडल आफिसर, मेन्टल हेल्थ, उ0प्र0 तथा मुख्य वक्ता भाई सैली, चाइल्ड हेल्थ स्पेशलिस्ट रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री अंशुमाली शर्मा जी द्वारा किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। 11 सितम्बर 2021 को 'मिशन शक्ति फेज–3' के अन्तर्गत महाविद्यालयों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से सम्बन्धित विविध प्रकार के टिप्स दिये गये। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया। 19 सितम्बर 2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' विषयक दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन श्री स्वामीनाथ सिंह सुरेन्द्र सिंह महाविद्यालय, धर्मपुर, काजीपुर द्वारा आयोजित किया गया जिसमें 2021–22 से लागू होने वाले तीन वर्षीय कार्यक्रम एवं चार वर्षीय कार्यक्रम स्नातक शोध सहित नवीन पाठ्यक्रमों पर चर्चा हुई। इस सेमिनार में छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। 22 सितम्बर, 2021 को 'आजादी की अनकही कहानियां' विषय पर भारत की आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत श्री अंशुमालि शर्मा, विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, एन0एस0एस0 तथा डॉ0 अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एन0एस0एस0, उ0प्र0 द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रो0 एन0के0 तनेजा, कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ तथा मुख्य वक्ता रवि अतरोलिया सेवानिवृत्त डी0एस0पी0 मध्य प्रदेश थे। इस वेब संगोष्ठी में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों के छात्र/छात्राएं तथा शिक्षकों ने भाग लिया। 24 सितम्बर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना एवं सामुदायिक सेवा के कार्यों में उसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के 'कोविड–19' के कार्यकाल में किये गये कार्यों जैसे–खाद्यान्न वितरण, मास्क वितरण, मास्क बैंक की स्थापना इत्यादि को बताया गया। 25 सितम्बर 2021 को मिशन शक्ति फेज–3 के अन्तर्गत श्री नरहेजी महाविद्यालय में महिला उद्यमिता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'रोजगार चयन और सृजन में नारी की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। 29 सितम्बर, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'आजाद भारत के विविध रंग' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री अंशुमाली शर्मा, विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी तथा डॉ0 अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एन0एस0एस0 लखनऊ रहे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन, कुलपति बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी तथा मुख्य वक्ता डॉ0 आशीष कंधवे, सम्पादक, गगनांचल आई0सी0सी0आर0, विदेश मंत्रालय रहे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने भाग

लिया। 30 सितम्बर, 2021 को स्वच्छ भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके आयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अशोक श्रोती रहे। इस कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इसके लिए कार्ययोजनाओं पर भी चर्चा की गयी तथा छात्र/छात्राओं को स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनने के लिए भी प्रेरित किया गया।

01 अक्टूबर, 2021 को भारत की आजादी का अमृत महोत्सव इण्डिया @75 के अन्तर्गत 'गांधी का भारत और वर्तमान युवा' विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती नीलिमा कटियार जी, राज्यमंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 तथा अतिथि वक्ता श्री तुषार गांधी निदेशक, गांधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगांव रहे। वक्ताओं ने 'गांधी का भारत और वर्तमान युग' विषय पर अपने–अपने विचार रखे। इस व्याख्यान से विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को काफी लाभ हुआ। 02 अक्टूबर, 2021 को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 'प्लाग रन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ते हुए छात्र/छात्राओं द्वारा अपने आस–पास के पॉलिथीन, कूड़ा इत्यादि को संग्रहीत कर डस्टबीन में डाला गया। 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जयन्ती पर भी महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 09 अक्टूबर, 2021 को मिशन शक्ति फेज–3 के अन्तर्गत श्री नरहेजी महाविद्यालय में 'स्वच्छ नारी स्वच्छ भारत' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वामीनाथ सुरेन्द्र सिंह महाविद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नागरिकों के विभिन्न मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी। 10 अक्टूबर, 2021 को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' पर राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ द्वारा 'मुस्कुरायेगा इण्डिया' के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मिनिस्थी एस0 नायर, आई0ए0एस0, कमिश्नर, कामर्शियल टैक्स, उ0प्र0 तथा मुख्य वक्ता प्रो0 संजय गुप्ता, प्रेसीडेंट, ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ पॉजिटीव साइक्रियाटिक रहे। वक्ताओं द्वारा छात्र/छात्राओं में बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के उपाय बताये गये। 13 अक्टूबर, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरारोड में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य विषय पर चर्चा की गयी। इस कार्यक्रम में

तमाम सम्भ्रान्त नागरिकगण, छात्र/छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। 20 अक्टूबर 2021 को 'आजाद भारत के अमूक अस्त्र' विषय पर आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम द्वारा पौधरोपण का कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया। 21 अक्टूबर, 2021 को राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, नियामतपुर, कंसो द्वारा विधिक जागरूकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महाविद्यालय, नगवां द्वारा भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अन्तर्गत भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 22 अक्टूबर 2021 को 'महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान एवं आर्थिक स्वावलम्बन : एक प्रयास' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्राओं ने भाग लिया। 23 अक्टूबर, 2021 को श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, रसड़ा द्वारा 'स्वास्थ्य में योग एवं व्यायाम की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। 24 अक्टूबर, 2021 को अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दूबेछपरा, बलिया के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की कड़ी में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक का एकत्रीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दूबेछपरा, गोपालपुर में चलाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा इन दोनों ग्रामों के अतिरिक्त वेदान्ती जी महाराज की समाधि स्थल पर भी अभियान चलाया गया जिसमें 14 बोरियों में लगभग डेढ़ क्विंटल प्लास्टिक, गिलास, प्लेट, पन्नी इत्यादि अवशिष्ट पदार्थों का संग्रहण किया गया। देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरारोड में भी सिंगल यूज्ड प्लास्टिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्र/छात्राओं द्वारा 50 किलो प्लास्टिक का संग्रहण एवं निस्तारण किया गया। 26 अक्टूबर, 2021 को श्री बजरंग पी0जी0 कालेज, मथुरा पी0जी0 कालेज एवं अन्य महाविद्यालयों द्वारा सिंगल यूज्ड–प्लास्टिक एकत्रीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। 28 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा गणतंत्र दिवस परेड की चयन प्रक्रिया श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बद्ध महाविद्यालयों के स्वयंसेवक/सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों की संख्या 40 रही। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय निदेशालय के सहायक निदेशक श्री राकेश तिवारी जी की देख–रेख में सम्पन्न हुआ। 29 अक्टूबर, 2021 को राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, श्री शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां में गर्भवती महिलाओं को गोदभराई कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोटीन से सम्बन्धित सामग्री केला, सेव, अनार, चना, आयरन की गोलियां इत्यादि दी गयी। साथ ही साथ प्राइमरी के छात्रों को टिफिन, बैग, गेंद, पेंसिल बाक्स, टॉफी इत्यादि दी गयीं। 30 अक्टूबर, 2021 को राजनारायण महाविद्यालय द्वारा चार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कुल 40 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि डॉ0 कृष्ण कुमार सिंह थे। इस कार्यक्रम में 40 बच्चों को स्कूल बैग, पेन, पेंसिल, रबर, टॉफी, किताबे भेंट की गईं। इसी क्रम में

कमला देवी बाजोरिया डिग्री कालेज में भी गोदभराई का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 10 महिलाओं की गोदभराई एवं 10 बच्चों को पेन, पेंसिल, बॉल, टॉफी इत्यादि भेंट किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य द्वारा अपने चयनित आंगनबाड़ी केन्द्र पर आयोजित किया गया। 31 अक्टूबर, 2021 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक, प्राचार्य, कार्यक्रम अधिकारी शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय नगवां, दुलेश्वरी सुखदेव मेमोरियल कॉलेज, रतसड़, अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दुबेछपरा, बजरंग पी0जी0 कालेज, दादर आश्रम, राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, नियामतपुर कंसो, राजनरायण महाविद्यालय, भीमपुरा नं0–2 एवं अन्य महाविद्यालयों द्वारा भी एकता दिवस का कार्यक्रम बहुत धूम–धाम से मनाया गया। महाविद्यालयों द्वारा इस कार्यक्रम के दौरान एकता शपथ भी दिलायी गयी। 17 नवम्बर, 2021 को विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा सड़क सुरक्षा पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से तिलेश्वरी देवी महाविद्यालय, गौरा पतोई, शिवराज स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर, रसड़ा, हीरानन्द महाविद्यालय, रसड़ा, कुबेर महाविद्यालय, हसनपुर, जजौली नं0–2, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां, बलिया सम्मिलित रहे। रैली के माध्यम से अपनी साइड से ही चलने के लिए तथा अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए जागरूक किया गया। जीवन अमूल्य है थोड़ी भी लापरवाही से दुर्घटना हो सकती है। अतः स्वयं भी सुरक्षित रहें एवं दूसरों को भी सुरक्षित रखें। 18 नवम्बर, 2021 को सामान्य असंचारी रोगों पर राष्ट्रीय सेवा योजना के महाविद्यालयों द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया एवं लोगों को दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके लिए पौष्टिक भोजन एवं दैनिक क्रियाओं पर ध्यान देने के लिए अभिप्रेरित किया गया। 26 नवम्बर, 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना से संचालित विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इसमें संविधान के जानकार विद्वानों का व्याख्यान कराया गया। विद्वानों द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संविधान निर्माण में किये गये विशेषज्ञों के योगदान की विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। संविधान ही एक ऐसा दस्तावेज है जिसके माध्यम से हम अपने जीवन को सही तरीके से चला पा रहे हैं। इस व्याख्यान में व्यक्तियों के मूल अधिकारों एवं कर्तव्यों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।

एन0सी0सी0 के कार्यक्रम

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सतीश चन्द्र कालेज की 93वीं यू0पी0 बटालियन, एन0सी0सी0 के कैडेटों द्वारा दिनांक 15 सितम्बर, 2021 को महाविद्यालय के मुख्य परिसर की सफाई का कार्य करने के साथ ही सभी लोगों को सफाई एवं स्वच्छता के लिए जागरूक किया। दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को गांधी जयन्ती के अवसर पर कैडेटों द्वारा सफाई एवं स्वच्छता रैली निकाली गयी। इस रैली में गांधी जी के द्वारा बताये गये स्वच्छता के महत्व को जन–जन तक पहुँचाने के प्रयत्न किये गये। अक्टूबर मास में ही राष्ट्रीय मतदाता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मतदाताओं को जागरूक किया गया और अनिवार्य मतदान का संकल्प दिलाया गया। 14 नवम्बर, 2021 को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कैडेटों द्वारा एक रैली निकाली गयी। इस रैली के माधयम से लोगों को मधुमेह से बचाव के उपाय बताये गये और दैनिक जीवन शैली में परिवर्तन लाने के साथ उचित आहार–विहार को अपनाने के लिए प्रेरितर किया गया। दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को कैडेटों द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कैडेटों को संविधान में वर्णित मूल अधिकारों के महत्व को समझाने के साथ मूल कर्तव्यों के पालन का संकल्प भी दिलाया गया। इस अवसर पर कैडेटों को राष्ट्र के

प्रति समर्पण एवं सामाजिक दायित्वों के निष्ठापूर्ण पालन हेतु अभिप्रेरित किया गया। दिनांक 28 नवम्बर, 2021 को कैडेटों द्वारा एन0सी0सी0 दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एन0सी0सी0 के गौरवशाली इतिहास का पारिचय देने के साथ ही कैडेटों को एन0सी0सी0 के उद्देश्यों एवं उसके सामाजिक कर्तव्यों को बताया गया।

महिला अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित महिला अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण माह' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'स्वस्थ माँ स्वस्थ भारत' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजभर बस्ती, करनई में गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। बस्ती की सैकड़ों महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण तथा पोषक तत्वों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिलाओं को संबोधित करते हुए, महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव ने बताया कि जब माँ स्वस्थ होगी, तभी एक स्वस्थ बच्चे को जन्म देगी, जो बड़ा होकर देश का स्वस्थ नागरिक बन पायेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह ने शिक्षित नागरिकों का आह्वान किया कि वे ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का भाव जगायें। कार्यक्रम प्रभारी डॉ0 प्रियंका राय ने कहा कि एक माँ स्वस्थ रहे, इसलिए आवश्यक है कि वह शिक्षित हो और उसे स्वच्छता का महत्त्व पता हो। करनई की ग्राम प्रधान मंजू देवी ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर चलाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से संतुलित आहार की आवश्यकता को समझाने का प्रयत्न किया। कार्यक्रम में विनय पाण्डेय, धनंजय राय, अंकित चौबे आदि प्राध्यापक तथा गीता तिवारी, लक्ष्मी राय व कृष्णा शुक्ल आदि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के अलावा ग्रामीण महिलाएं एवं उनके बच्चे मौजूद थे। दिनांक 06 अक्टूबर, 2021 को शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां में विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 'नारी एवं साइबर अपराध' विषय पर एक संगोष्ठी का अयोजन हुआ। थानाध्यक्ष श्री आर0के0 सिंह ने 'महिला सशक्तिकरण एवं साइबर अपराध' पर विस्तार से बिन्दुवार प्रकाश डाला। आपने मोबाइल, इंटरनेट, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रयोग के बारे में बताया। आपके साइबर फ्रॉड से बचने के तौर तरीकों

को छात्राओं को समझाने के साथ ही उसके विभिन्न कानूनी पहलुओं को भी समझाया। इसके साथ ही छात्राओं की सुरक्षा हेतु चलाये जा रहे महिला हेल्पलाइनों 1090, 112, 102, 108 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बैंकिंग फ्रॉड के बारे में विशेष जानकारी दी। संवाद सत्र में छात्राओं ने अपनी सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर प्रश्न पूछे और महिला थाना के बारे में अपनी जिज्ञासा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चण्डी प्रसाद पाण्डेय ने किया। महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव के निर्देशन में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण के अतिरिक्त महाविद्यालय की छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। दिनांक 18 नवम्बर, 2021 को मुस्तफाबाद के ग्राम के आंगनबाड़ी केन्द्र पर 'लैंगिक भेदभावः कारण एवं समाधान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा लैंगिक समानता के लिए जागरूकता रैली निकाली गयी। इस प्रतियोगिता में मुस्तफाबाद ग्राम की निवासी स्नातक में अध्ययनरत छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में अमृता गुप्ता एवं खुशी सिंह ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि पूजा यादव ने द्वितीय एवं रन्जू कन्नौजिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पांच दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

'सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा आयोजित 5 दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 10 अगस्त से 14 अगस्त 2021 को सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के एम0एड0 एवं एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) के प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में कुल 25 प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यशाला पांच दिवस के दस सत्रों में सम्पन्न हुई जिसमें Significance of Research proposal, What are Research Problems?, Steps of Research proposal, Review of related literature, Hypothesis, Methodology of Research, Writing of Research Reports and Writing of Psychological Experiments and Test Report आदि विषयों पर व्याख्यान सम्पन्न किये गये। कार्यशाला में लघु शोध प्रबन्ध तैयार करने हेतु शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में समस्त प्रतिभागियों ने शोध प्रारूप की रूपरेखा (Synopsis) का निर्माण कर उसे Power Point के माध्यम से कार्यशाला में प्रस्तुत किया, जिस पर समस्त प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न रखे तथा सुझाव दिये। कार्यशाला में प्रमुख रूप से प्रो0 कौशल किशोर, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया, प्रो0 पी0सी0 शुक्ला, पूर्व संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 मीनाक्षी सिंह, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रो0 सरोज पाण्डेय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने आमंत्रित वक्ता के रूप में सहयोग किये। कार्यशाला डॉ0 देवेन्द्र सिंह, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय के सहयोग एवं डॉ0 रमाकान्त सिंह, समन्वयक सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

प्रथम शोध उपाधि समिति की बैठक सम्पन्न

पी0एच0डी0 के शोधार्थियों के शोध प्रारूप के प्रस्तुतिकरण हेतु शोध उपाधि समिति की बैठक दिनांक 12 नवम्बर से 22 नवम्बर 2021 तक सम्पन्न हुई, जिसमें शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, हिन्दी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, जन्तु विज्ञान, कृषि–रसायन एवं मृदा विज्ञान तथा आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विषय के कुल 110 शोधार्थियों के शोध प्रारूप प्रस्तुत हुए, इनमें 06 शोध प्रारूपों को यथावत स्वीकृति प्रदान की गई जबकि 90 शोध प्रारूपों के संशोधन के साथ स्वीकृत तथा 14 शोध प्रारूपों को अस्वीकृत किया गया एवं पुनः शोध प्रारूप निर्मित कर प्रस्तुत करने का आदेश शोध उपाधि समिति द्वारा दिया गया। शोध उपाधि समिति (आर0डी0सी0) की बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति महोदया, प्रो0 कल्पलता पाण्डेय जी द्वारा की गई। विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्षों के साथ–साथ सम्बन्धित विषयों के संयोजकों एवं वाह्य विशेषज्ञों के द्वारा शोध प्रारूपों पर गहन विचार विश्लेषण के पश्चात शोध प्रारूपों में परिशोधन किया गया। शोध उपाधि समिति की बैठक के आयोजन में डॉ0 रमाकान्त सिंह, समन्वयक, शोध ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

सात दिवसीय सेवारत प्राचार्य एवं शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा आयोजित सात दिवसीय सेवारत प्राचार्य एवं शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 27 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2021 तक गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया में सम्पन्न हुई जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने भी प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में कुल 58 प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यशाला का विषय 'विद्यार्थी का मूल्यांकन एवं मूल्यांकन की विधियां' था। यह कार्यशाला सात दिवसों के चौदह सत्रों में सम्पन्न हुई जिसमें मूल्यांकन एवं उसके विविध प्रकार, मूल्यांकन की नवीन तकनीकी, अधिगम प्रबन्धन प्रणाली, शिक्षण एवं अधिगम के लिए उपकरण एवं साफ्टवेयर, पावर प्वाईंट का निर्माण एवं प्रयोग, सुस्थित जीवन (खुशहाली) का आकलन, ऑनलाइन आकलन के विविध प्रकार, शारीरिक, आकलन, स्वमूल्यांकन, व्यक्तित्व का आकलन, शैक्षिक मूल्यांकन एवं प्रश्नपत्र निर्माण के विविध आयाम आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन शिक्षण एवं मूल्यांकन की गतिविधि का छोटे–छोटे समूहों में रहकर अभ्यास किया। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन आकलन हेतु अनेक ई–उपकरणों/साफ्टवेयर जैसे–Mentimeter, Kahoot, Google forms, Testmoz आदि का उपयोग कर मूल्यांकन का अभ्यास

किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से प्रो0 वी0एन0 त्रिपाठी, लखनऊ, प्रो0पी0सी0 शुक्ला, बी0एच0यू0, प्रो0 अमिता पाण्डेय भारद्वाज, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो0 वी0सी0 महापात्रा, मध्यप्रदेश मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ0 सुरेन्द्र राय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, डॉ0 अशोक कुमार पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य, सुदिष्टपुरी ने आमंत्रित वक्ता के रूप में सहयोग किया। कार्यशाला डॉ0 देवेन्द्र सिंह, संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय के सहयोग एवं डॉ0 रमाकान्त सिंह, समन्वयक, सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

'मिशन शक्ति' का प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति फेज–3 अभियान के अन्तर्गत जो कार्यक्रम किये गये, उनका विवरण निम्नलिखित हैः–

01 सितम्बर, 2021 को संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरहीं, बलिया के प्रांगण में स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं के द्वारा 'मिशन शक्ति' तृतीय चरण के अन्तर्गत 'शिक्षित नारीः सशक्त नारी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें प्राचार्य डॉ0 अन्नपूर्णा राय ने मिशन शक्ति के उद्देश्य को समझाया एवं आजाद राय, राजेश कुमार राय, पिंकी गुप्ता आदि शिक्षकगण के द्वारा छात्र/छात्राओं को जागृत किया गया। 03 सितम्बर, 2021 को गुलाब देवी महिला महाविद्यालय में 'बालिका हेल्थ क्लब' का गठन किया गया तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ0 प्रीति वर्मा, महिला चिकित्सक के द्वारा छात्राओं को उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी दी गई एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधन कर परामर्श दिया गया। 04 सितम्बर, 2021 को अमरनाथ मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दूबेछपरा, बलिया की रोवर्स एवं रेंजर्स इकाई द्वारा वेबिनार आयोजित किया गया। इसकी मुख्य वक्ता रहीं कनक चक्रधर। श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में भी 04 सितम्बर, 2021 को 'लैंगिक समानता एवं स्वास्थ्यवर्धन' विषय पर व्याख्यान, निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता, परामर्श सत्र तथा योग एवं व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 04 सितम्बर 2021 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के तत्वावधान में शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ0 सिद्धार्थ मणि दुबे का उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीया कुलपति महोदया प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने की। तकनीकी सत्र में चिकित्सा विभाग के पदाधिकारियों व टीम ने प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा छात्रों को निःशुल्क दवाईयां वितरित कीं। कार्यक्रम की संयोजक रहीं सुचेता प्रकाश। 06 सितम्बर, 2021 को श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुदिष्टपुरी, रानीगंज, बैरिया, बलिया में एक वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था 'नारी सशक्तिकरण : इतिहास एवं भविष्य दृष्टि'। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती दिव्या पाण्डेय (असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी, ईश्वर शरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रयागराज) थीं। वेबिनार की विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ0 निशा राघव (समन्वयक, मिशन शक्ति कार्यक्रम, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया) रहीं। संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री प्रकाश चंद त्रिपाठी जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक श्री सत्येन्द्र मणि विक्रम (असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान) थे। वेबिनार का संचालन डॉ0 विवेकानन्द देव पाण्डेय (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी) ने किया। 11 सितम्बर, 2021 को ही गुलाब देवी महिला महाविद्यालय में महिला सुरक्षा सप्ताह मनाया गया, जिसमें महिला हेल्पलाइन नम्बर तथा साइबर क्राइम से सुरक्षित रहने की जानकारी पुलिस विभाग से सरोज एवं नेहा सरोज द्वारा दी गई। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं पोषण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई में सुखपुरा थाना प्रभारी एवं उनके सहयोगी महिला पुलिसकर्मियों द्वारा छात्राओं को कानून तथा स्वयं की सुरक्षा के लिए हेल्प डेस्क नम्बर की जानकारी दी गयी। शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां,

बलिया में दिनांक 15 सितम्बर, 2021 को छात्राओं को उनके अन्दर से भय/संकोच को दूर करने के लिए 'चुप्पी तोड़ो : खुलकर बोलो' अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य श्री राजेश्वर कुमार एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों द्वारा बताया गया कि छात्राओं को जागरूक ही नहीं होना है बल्कि अपने ऊपर हो रहे अत्याचार एवं अन्याय को खुलकर बताने एवं उस पर विचार करते हुए प्रतिकार करने की जरूरत है। छात्राओं एवं अभिभावकों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। परिचर्चा में यह भी बताया गया कि अब समाज अपनी रचनात्मक भूमिका को निभाते हुए बालिकाओं के उत्पीड़न को आगे आकर रोकने का प्रयास करे तथा बालिकाओं को बागे बढ़कर उनका साथ दें और अपराधियों के खिलाफ उठ खड़ा हों। 12 सितम्बर, 2021 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया के डॉ0 राजेंद्र प्रसाद सभागार में 'महिला सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान, परामर्श सत्र तथा मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालकों व पुरूष प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता के लिए चुने गए 'बदलाव के अभिकर्ताओं' के नाम बताये गये एवं बालिका हेल्थ क्लब का गठन भी किया गया। बतौर मुख्य वक्ता पुलिस विभाग से महिला थानाध्यक्ष श्रीमती सरोज यादव जी ने कहा कि बालिकाओं को अपनी पहचान खुद बनानी होगी और अपनी चुप्पी तोड़नी होगी। उन्होंने पुरुषों के दुर्व्यवहार न सहने का सुझाव भी दिया। महिला सुरक्षा के लिए बहुत सारे हेल्पलाइन नम्बर के बारे में आपने विस्तृत जानकारी दी, जैसे 1090, 181, 1076, 112 आदि। मार्शट आर्ट प्रशिक्षण सत्र में ब्लैक बेल्ट प्राप्त चांदनी द्वारा बालिकाओं को मार्शट आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। 16 सितम्बर, 2021 को किसान स्नाकोत्तर महाविद्यालय, रकसर, रतसर, बलिया के सभागार में 'महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में सम्मिलित ग्राम सभा रकसा की महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण पन्दह ब्लाक की डॉ0 मुसर्रत जहां ने किया। शिविर में रकसा ग्राम की प्रधान श्रीमती विमला चौहान ग्राम की आशा बहू बीस महिलाओं के साथ उपस्थित थीं। डॉ0 मुसर्रत एवं फार्मासिस्ट शशिकान्त पाठक ने महिलाओं को रोग के अनुसार दवा भी वितरित किया। 18 सितम्बर 2021 को माननीय कुलपति महोदया जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की अध्यक्षता में मथुरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रसड़ा, बलिया में 'महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में डॉ0 निशा राघव ने बतौर समन्वयक, मिशन शक्ति, तृतीय चरण के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और प्रत्येक महाविद्यालय में 'बालिका हेल्थ क्लब'

के गठन व 'स्वास्थ्य परीक्षण शिविर' के आयोजन के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने बालिकाओं के लिए परामर्श सत्र व संवाद सत्र आयोजित किये जाने पर बल दिया। बतौर मुख्य वक्ता अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रोफेसर गुंजर दुबे ने समाज में महिलाओं की स्थिति व भागीदारी पर चर्चा करते हुए बताया कि आज हर क्षेत्र में महिलायें आगे बढ़ रहीं हैं और साथ ही घर तथा बाहर दोनों जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। इसके बाद भी अभी कहीं न कहीं उनमें आत्मविश्वास की कमी दिखाई देती है, इसीलिए राजनीति या अन्य क्षेत्रों में उनकी 50 प्रतिशत से कम भागीदारी है। अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 धर्मात्मानन्द जी ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 बब्बन सिंह ने तथा संचालन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ0 आलिया खातून ने किया। 25 सितम्बर, 2021 को गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'प्रेरणात्मक संवाद' विषय पर सुश्री कनक चक्रधर जी को आमंत्रित कर छात्राओं को जागरूक किया गया। 25 सितम्बर को ही श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया के डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सभागार में 'महिला उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता' विषय पर व्याख्यान तथा परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती ज्योतिका सिंह, समर्पण सेवा ट्रस्ट की संस्थापिका ने अपने उद्बोधन में महिला उद्यमिता पर चर्चा करते हुए राजस्थान की श्रीमती रूमा देवी का उदाहरण दिया। उन्होंने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए अपनी खुद की पहचान बनाने का आह्वान किया साथ ही भारतीय संस्कृति को परिधानों के साथ जीवित रखने का अनुरोध किया। विशिष्ट वक्ता सुश्री रंजना यादव, बी0जे0पी0 स्पीकर, बलिया ने बालिकाओं को सामने आकर अपनी आवाज उठाने व लघु उद्योग में सहभागी बनने का सुझाव दिया।

02 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया के राजेन्द्र प्रसाद सभागार में 'पोषण एवं स्वास्थ्यवर्धन' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता तथा योग एवं व्यायाम प्रशिक्षण एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था 'पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य' जिसमें छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके पश्चात 'योग व प्राणायाम का जीवन में महत्व' विषय पर श्रीमती वानिका अग्रवाल, आयुष्मान योग केन्द्र, बलिया की संस्थापिका द्वारा व्याख्यान दिया गया तथा छात्राओं व प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने प्राणायाम करते समय श्वांस क्रिया का भी अभ्यास कराया। कार्यक्रम में 'एजेंट्स आफ चेंज' प्राध्यापकों डॉ0 सुबोध मणि त्रिपाठी, डॉ0 दुर्गा प्रसाद सिंह, श्री मंगल चंद राय, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अमित वर्मा, डॉ0 राजीव शुक्ला तथा छात्रों आदिल, सूरज, शिवांश, कमलकांत, आफताब को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार, सचिव श्री सुधीर श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ0 ओमप्रकाश सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार श्रीवास्तव व महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्राएं उपस्थित रहे। 06 अक्टूबर, 2021 को 'महिला सुरक्षा जागरूकता दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर दुबहड़ थानाध्यक्ष श्री आर0के0 सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि महिलाओं को आत्मरक्षा करने की तकनीक सीखनी होगी ताकि वे विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम हो सके। 06 अक्टूबर, 2021 को ही श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुदिष्टपुरी, रानीगंज, बलिया में तनाव प्रबन्धन (Stress

मिशन शक्ति फेज–3 के अन्तर्गत दिनांक 22 अक्टूबर 2021 को मेगा इवेन्ट– "नायिका" बालिकाओं द्वारा सांकेतिक भूमिका निर्वहन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मेधावी बालिकाओ को एक दिन की सांकेतिक "नायिका" अधिकारी नियुक्त किया गया जनपद बलिया।

Management) विषय पर केंद्रित एक वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा, परामर्श मनोवैज्ञानिक–यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, प्रयागराज रहीं। 12 अक्टूबर, 2021 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में महिला प्रकोष्ठ के सौजन्य से चिकित्सकीय चर्चा एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व स्वास्थ्य परामर्शदाता रहीं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी की डॉ0 गीता सुब्रह्मण्यम, हृदय रोग विशेषज्ञ रहीं। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता रहे श्री आयुष केसरी। बलिया के गणमान्य नागरिकों व छात्रों की उपस्थिति में यह स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। 13 अक्टूबर, 2021 को शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया में राष्ट्रीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ0 रजनीकांत तिवारी ने महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। 18 अक्टूबर, 2021 को सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुदिष्टपुरी, रानीगंज, बलिया में 'स्त्री सशक्तिकरण' पर एक वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'स्त्री के सरोकार और महादेवी वर्मा'। इस वेब संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो0 कृष्ण कुमार सिंह जी रहे। विशिष्ट वक्ता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 विवेकानन्द देव पाण्डेय जी रहे। 23 अक्टूबर, 2021 को गुलाब देवी महिला महाविद्यालय में मिशन शक्ति के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 23 अक्टूबर, 2021 को ही श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया के राजेंद्र प्रसाद सभागार में 'महिला उद्यमिता एवं आत्म निर्भरता' विषय पर व्याख्यान एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत डॉ0 वंदना पाण्डेय ने किया। विषय प्रवर्तन महाविद्यालय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ0 निशा राघव ने किया तथा बताया कि पिछले दशक में लगभग 38 प्रतिशत महिला उद्यमों में वृद्धि हुई है, परन्तु अभी भी केवल 20 प्रतिशत उद्यमों में महिलाओं का स्वामित्व है। मुख्य वक्ता श्रीमती निशा, सह आचार्य स्माजशास्त्र विभाग ने अपने व्याख्यान में महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया बदलने पर बल देते हुए कहा कि जब तक परिवार और समाज अपनी सोच नहीं बदलेगा, महिलाएं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ पायेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि जिस प्रकार हर क्षेत्र में महिलायें आगे बढ़ रहीं हैं, उसी प्रकार उन्हें उद्यमिता में भी आगे आकर

आत्म निर्भर बनना होगा। 22 अक्टूबर, 2021 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की दो मेधावी छात्राओं को सांकेतिक रूप से अधिकारी बनाते हुए उन्हें प्रशासन की बारीकियों से रूबरू होने का अवसर प्रदान किया गया। उ0प्र0 शासन के निर्देश पर कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय द्वारा नामित स्नातकोत्तर समाजकार्य की छात्रा प्रीति सिंह को जिला प्रशासन की ओर से महिला कल्याण अधिकारी बनाया गया, जबकि स्नातकोत्तर समाजकार्य की रंजू यादव को थानाध्यक्ष, कोतवाली की कुर्सी पर बैठाया गया। इस दौरान उक्त छात्राओं ने अधिकारी बनकर प्रशासनिक दायित्वों न सिर्फ निर्वहन किया, बल्कि इसमें आने वाली चुनौतियों को भी उन्होंने करीब से देखा। कार्यक्रम की मुख्य प्रभारी डॉ0 अपराजिता उपाध्याय ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की आधी आबादी को आगे लाना, उसे विभिन्न प्रशासनिक एवं संवैधानिक पदों को संभालने के लिए प्रेरित करना तथा महिला जागरूकता को बल प्रदान करना है। 30 अक्टूबर, 2021 को गुलाब देवी महिला महाविद्यालय में लैंगिक समानता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया में माह अक्टूबर में विभिन्न महिला रोल मॉडलों को केंद्रीयकृत करके प्रेरणात्मक व्याख्यान मालाओं का आयोजन किया गया। 'बदलाव के अभिकर्ताओं' को गांधी जयंती के अवसर पर सम्मानित किया गया। महिला उद्यमिता एवं आत्म निर्भरता को प्रोत्साहित करने हेतु तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गयी। बालिकाओं के स्वास्थ्यवर्धन एवं पोषण, साइबर क्राइम, पॉक्सो एक्ट आदि विषयों पर व्याख्यान मालाओं का आयोजन किया गया। एन0सी0सी0, रोवर्स–रेंजर्स के सहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम चलाये गये। 16 नवम्बर, 2021 को शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया में 'लैंगिक समानता' पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सम्बद्ध महाविद्यालयों के कार्यक्रम

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा, रतसर, बलिया के सभागार में जनपदीय अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सुरेन्द्र सिंह, विधायक बैरिया ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि एक शिक्षक शैतान को इंसान बना सकता है, इंसान को महान बना सकता है और महान को भगवान भी बना सकता है। विशिष्ट अतिथि माननीय भगवान पाठक, पूर्व विधायक, सिकन्दरपुर ने अपना मंतव्य व्यक्त करते हुए कहा कि आज की भौतिकतावाद की अन्धी दौड़ में अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम एक अनूठी पहल है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश उपाध्याय ने राधाकृष्णन के विचारों का उल्लेख करते हुए, उसे प्रासंगिक और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के रूप में सिद्ध करने का प्रयास किया। सह वक्ता वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली के श्री विभूति नारायण चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में राधाकृष्णन जी के व्यावहारिक अनछुए पहलुओं को स्पर्श करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में महाविद्यालयीय, माध्यमिक, उच्च प्राथमिक एवं प्राथमिक विद्यालय के कुल 93 शिक्षकों को अतिथियों द्वारा अंगवस्त्र से सम्मानित कर स्मृति चिह्न भेंट किया गया। प्रबन्ध समिति के सम्मानित सदस्य गण ने मंचस्थ अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया।

दिनांक 26 अक्टूबर 2021, को किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रकसा, रतसर–बलिया के सभागार में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' के अन्तर्गत 'पाठ्यक्रम सन्दर्भित विविध आयाम' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ0 देवेंद्र सिंह और सहवक्ता डॉ0 रमाकांत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत आवंटित समूहन केन्द्र के निमित्त कुल 12 महाविद्यालयों के प्राचार्यों सहित दो–दो शिक्षकगण के अतिरिक्त अन्य महाविद्यालय के शिक्षकगण भी सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता डॉ0 देवेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' ने स्नातक पाठ्यक्रम में विषयों के विभेद को मिटा दिया है। चाहे प्रायोगिक विषय हों या

सैद्धांतिक विषय तथा इसमें ज्ञानात्मक, भावात्मक और क्रियात्मक पक्ष को एकीकृत किया गया है। सहवक्ता डॉ0 रमाकांत सिंह ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत स्नातक पाठ्यक्रम में संकायों का विभाजन और छात्रों द्वारा विषय चयन पर व्यापक प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य 'Multiple entry multiple exit' है।

दिनांक 15 नवंबर, 2021 को किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा रतसर–बलिया के सभागार में IQAC के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' के निमित्त 'पाठ्यक्रम क्रियान्वयन संदर्भित व्यावहारिक पक्ष' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता कुंवर सिंह पी0 जी0 कालेज, बलिया के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 मनजीत सिंह थे। डॉ0 सिंह ने अपने व्यक्तव्य में सरकार की प्रभावी योजना टेबलेट/स्मार्टफोन वितरण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' को सफलीभूत करने हेतु ही उत्तर–प्रदेश शासन द्वारा टेबलेट/स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है क्योंकि इस शिक्षा नीति में 40 प्रतिशत ऑनलाइन शिक्षण का प्राविधान है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निहित आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षिक उद्देश्य, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य, सामाजिक संवेदनशीलता और प्रयोजन के आधार पर मूल्यांकन विषय पर व्यापक परिचर्चा की। कार्यक्रम में समूहन केन्द्र से जुड़े 12 महाविद्यालयों के शिक्षकगण, महाविद्यालय के बी0ए0 /बी0एस–सी0 प्रथम सेमेस्टर के कुल 95 छात्र/छात्राएं, समस्त शिक्षकगण व शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण सम्मिलित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 अशोक कुमार सिंह,व संचालन डॉ0 रूदल कुमार सिंह ने किया।

दिनांक 17 नवंबर, 2021 को किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रकसा, रतसर–बलिया के सभागार में IQAC के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षक–शिक्षा हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' में किए गए प्रावधान एवं प्रासंगिकता' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर अरविंद कुमार पाण्डेय पूर्व अध्यक्ष ,शिक्षा संकाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं सहवक्ता डॉ0 सुरेंद्र राम, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी थे। विचारगोष्ठी के प्रथम कालांश के वक्ता डॉ0 सुरेंद्र राम ने अपना विचार परिव्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, अनुभव, परिवेश और वातावरण के अनुरूप बदलता रहता है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986' को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि उस शिक्षा नीति में मूलरूप से चार स्तंभ ज्ञान, कर्म, साथ–साथ रहने तथा होने या बनने (Learning to be) को महत्वपूर्ण माना गया। आज के शैक्षिक परिवेश में भारतीय शिक्षा पर पाश्चात्य देशों का प्रभाव है। इस प्रभाव से मुक्त करने तथा शिक्षा को भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक विरासत से जोड़ने के लिए ही सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' लागू की गयी, जिसमें आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया गया है। द्वितीय कालांश के वक्ता प्रोफ़ेसर अरविंद कुमार पाण्डेय ने अपने व्यक्तव्य में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' की मूल संरचना के सभी लक्ष्यों व उद्देश्यों पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने 'नयी शिक्षा नीति–2020' की विशेषताओं का विश्लेषण करते हुए कहा कि शिक्षा में नवाचार का समावेश होना चाहिए। ज्ञान को सांचों में नहीं ढाला जा सकता। विद्यालय में जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझने व समझाने का प्रयास किया जाता है। नयी शिक्षा नीति में अध्यापक को स्मार्ट होने के साथ–साथ क्लासरूम भी स्मार्ट होने की बात कही गयी है ताकि शिक्षक द्वारा श्रेष्ठ व शिष्ट मनोभावों का सृजन किया जा सके। कार्यक्रम में समूहन केन्द्र से जुड़े 12 महाविद्यालयों के शिक्षकगण, महाविद्यालय के शिक्षा संकाय के कुल 295 छात्र/छात्राएं, समस्त शिक्षकगण व शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण सम्मिलित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अशोक कुमार सिंह, व संचालन डॉ0 रूदल कुमार सिंह ने किया।

Celebration of International Translation Day

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, under the great guidance of Prof. Kalplata Pandey , Vice-Chancellor, celebrated International Translation Day by organizing a special lecture on "Translation Studies in India: Theory and Praxis" dated 30 September 2021. The chief- speaker of the program was Dr. Ajay Kumar Chaubey, Assistant Professor of English, National Institute of Technology, Uttarakhand. While addressing the participants, Dr. Chaubey stated on the need and importance of translation in our academic living. He mentioned that translation for the Indian is new life or after life. He viewed that translation is not only needed for the creation of national identity but also become an essential tool for keeping pace with the process of globalization and localization. Translation is also useful for the professionals seeking career as a translator. In his talk, he shared the theory of translation of Sri Aurubindo, A.K Ramanujan, G. N Devy and Sujit Mukherjee. The question-Answer session between Dr. Ajay k Chaubey and students of the University made the event lively and more valuable.

In her presidential address, Madam Vice-Chancellor opined that translation is an act of cultural modesty, of acceptance of existence of other, and of making it one's own through the act of translation. Translation Day is a metaphor for celebration of translation, its practice and critique. The need is to cultivate the culture of translation with full realization of the fact translation is indispensable for our existence, for only translating societies will survive in the future. She invoked that let us on this day celebrate translation for its acceptance of others, and its ability to build nation, culture, knowledge and linguistic harmony in them for

the larger good of humanity.

The program commenced with the welcome address by Dr. Ganesh Kr. Pathak, Director Academics, J.N.C.U and concluded with vote of thanks by Dr. Jainendra Kr. Pandey, P.R.O, J.N.C.U. Dr. Yadavendra Pratap Singh, convener, Living Legends of Ballia, successfully anchored the event. Dr. Ranajni kant Gupta, Dr. Pramod Shanker Pandey and Dr. Jaiprakash Singh joined the lecture. The faculty and students of the university attended the programme.

Memorandum of Understanding (MoU) between J.N.C.U Ballia & ICAR- Indian Institute of Pulses Research Kanpur, U.P

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, U.P, under the academic leadership of honorable Vice-Chancellor Prof. Kalplata Pandey, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with ICAR-Indian Institute of Pulses Research Kanpur, U.P dated 30 October 2021. This MoU is to promote research for developing innovative solutions to various problems of society and to develop learner- centric teaching as envisioned in NEP-2020. The objectives of co-operation are to enhance mutual learning, cooperation and scientific exchange between J.N.C.U and I.I.P.R to strengthen and enlarge capacities of research, innovation, training and management of technology in the field of agriculture. Both Institutes showed their commitment to produce and develop technological innovations and policy recommendations in the agricultural sector in supporting the realization of the industrial agricultural system, improving the quality of Agricultural researches.

Addressing to the officials at IIPR, Kanpur, Madam Vice- Chancellor expressed her gratefulness to Dr. Narendra Pratap Singh, Director, ICAR- IIPR, Kanpur and newly appointed Vice- Chancellor of Banda University of Agriculture and Technology, Banda, U.P.

Dr. Kumar Vivek, senior Administrative officer, I.I.P.R, Dr. Meenal Rathore, Principal Scientist and In-charge-H.R.D, I.I.P.R and Dr. Awnindra Kumar Singh, Principal Scientist I.I.P.R Kanpur showed their keen interest to sign this MoU. It is worth mentioning here that Dr. Awnindra kumar singh is member of "Living Legends of Ballia" forum. He was, in true sense, organizer and moving soul behind this great academic venture. Dr. Vijaya Nand Pathak, Dr. Yadavendra Pratap Singh and Avinash Dubey were present on this great occasion.

Shri Anand Verdhan Shukla Visited the University

Shri Anand V Shukla, Pro- Vice Chancellor, Mewar University Chittorgarh, Gangrar, Rajasthan, visited Jananayak Chandrashekhar University, Ballia on 29 November 2021. He shared his ideas with Dr. R.S Pandey, Director Academics, Dr. Yadavendra Pratap Singh, Convener, "Living Legends of Ballia" forum and faculty members of JNCU regarding organizing national and international cultural programs in the university. It is worth- mention here that Shri A. V. Shukla is member of "Living Legends of Ballia" forum of the University. Prior to join Mewar University, he has worked as an IPS officer in Rajasthan. He retired in June 2016 as Inspector General of Police. He has also served for three years on deputation to the ministry of culture, Government of India as the Director North Central Zone Cultural Centre in Allahabad, U.P. Mr. Shukla has worked as Human

Rights Trainer with the United Nations. He has also organized more than two hundred cultural programmes in India and India abroad including U.S.A, U.K, Canada, France, Germany, Italy, Hong Kong, and South Korea.

Prof. Ashok Kumar Chaubey visited the University

Dr. Ashok Kr. Chaubey, former Head and presently professor, Department of Zoology, Chaudhary Charan Singh University, Meerut U.P who is member of "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U Ballia), visited the university on 11 September 2021. He was very much delighted to see that Prof. Kalplata Pandey, Vice - Chancellor, is firmly committed to develop J.N.C.U as a Research University. He shared his ideas regarding the development of the university with her. He made promise to help in Research and Development program of the university. Prof. Chaubey has published more than eighty research papers in national and international journals. He has also edited three books and completed five research projects. He has delivered his talk as the resource person in difference conferences for more than three dozen times in India and abroad. Prof. Ashok Kr. Chaubey has bagged many awards in his life.

मीडिया में विश्वविद्यालय

वॉक इन इंटरव्यू 8 अक्टूबर को

तरुणमित्र न्यूज

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में जलभराव के कारण गेस्ट फैकल्टी के लिए होने वाले वॉक इन इंटरव्यू अब 8 अक्टूबर से प्रारम्भ होंगे। ये इंटरव्यू अब विश्वविद्यालय परिसर के बजाए सेंट जेवियर्स स्कूल ,धरहरा में आयोजित होंगे। इसके अलावा विभिन्न पाठ्यक्रमों में चल रहा प्रवेश कार्य भी 8 अक्टूबर से सेंट जेवियर्स स्कूल से सम्पन्न किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए कुलसचिव संतलाल पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारी जलजमाव के कारण ऐसा निर्णय लेना पड़ा है। हमारी कोशिश है कि छात्रों को परेशानियों का कम से कम सामना करना पड़े और विश्वविद्यालय का कार्य चलता रहे। उन्होंने यह भी बताया कि अब बैक/ श्रेणी सुधार में आवेदन करने की तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गयी है।

थाने के सामने खड़ी ट्रकें दे रही दुर्घटना को दावत

बलिया दुबहर थाने के सामने राष्टीय राजमार्ग पर तीन माह से खड़े बालू लदे 19 ट्रकों के चलते लोगों को काफी परेशानियों का समना करना पड़ रहा है। लेकिन लगता है इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है। जानकारी के अनुसार खनन विभाग ने लगभग तीन माह पहले बालू लदी 19 ट्रकों को सीज कर के दुबहर थाने को सुपुर्द किया था तभीसे सभी ट्रकें दुबहर थाने के सामने एनएच पर खड़ी है। सड़क के आधे हिस्से खड़े ट्रकों के कब्जे में है जबकि सड़क के आधे हिस्से से ही लोगों का आवागमन हो रहा है।

खतरे की बात यह है कि जिस आधे सड़क से लोगों का आवागमन हो रहा है उसपर गड्ढा बन गया है। कई बाइक व साइकिल सवार गड्ढे के चलते हैं गिरकर चोटिल हो चुके हैं। साथ ही आए दिन दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग किया है कि समय रहते राष्टीय राजमार्ग पर खड़ी ट्रकों को वहां से हटाकर कहीं दूसरे जगह खड़ा किया जाय नही तो किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में पीजी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा होगी 19 सितम्बर को

बलिया(एनवीन्यूज) ।जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु होने वाली प्रवेश परीक्षा की तिथि और केन्द्र की घोषणा कर दी गयी है।इस आशय की सूचना देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस एल पाल ने बताया कि बीएससी कृषि में प्रवेश हेतु परीक्षा 19 सितंबर को प्रातः 10.00 से 12.00 बजे तक सतीश चंद्र महाविद्यालय में होगी। इसी तिथि को इसी केंद्र पर अपराह्न 2.00 से 4.00 बजे तक एम कॉम की प्रवेश परीक्षा होगी। जबकि एमएससी कृषि की प्रवेश परीक्षा 19 सितंबर को प्रातः 10.00से 12.00 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न होगी। कुलसचिव ने परीक्षार्थियों से

निर्धारित परीक्षा केंद्र पर समय से पहुँचने तथा प्रवेश–पत्र पर अंकित निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की।कुलसचिव ने यह भी बताया कि 13 सितंबर से विश्वविद्यालय परिसर में संचालित उन पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ कर दिया जाएगा, जिनमें प्रवेश परीक्षा नहीं होनी है। उन्होंने कहा कि अर्हता रखने वाले इच्छुक विद्यार्थी आवश्यक प्रमाण–पत्रों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में उपस्थित होकर वहाँ

संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

विवि परिसर में जलभराव, नाव के सहारे हो रही है नैया पार

कुलपति आवास भी पानी में घिरा, कमरे और प्रशासनिक भवन भी जद में

संवाद न्यूज एजेंसी

बलिया। जिले में हो रही बारिश का सबसे ज्यादा प्रभाव जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय पर पड़ा है। लगातार बारिश के कारण बीते अगस्त माह से समूचे परिसर में चारों तरफ बारिश का पानी भरा है। आलम यह है कि विश्वविद्यालय के मेन गेट से लगभग पांच सौ मीटर दूरी पर स्थित प्रशासनिक कार्यालय तक पहुंचने के लिए कर्मियों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ। इसके पहले वर्ष 2019 में भी विश्वविद्यालय परिसर में जभराव हो गया था। लेकिन 2020 में तत्कालीन डीएम हरिप्रताप शाही की पहल पर हुई कटहल नाला की सफाई से जलजभराव की समास्या से राहत मिली थी। इस बार हालात प्रतिकूल है, जिसका परिणाम है कि कुलपति आवास भी पानी में घिर गया है। कमरों में घुसा पानी, फाइलें हटाई गई

बरसात के कारण विश्वविद्यालय परिसर में हुए जलभराव का आलम यह है कि प्रशासनिक भवन से लेकर कमरों तक में बरसात का पानी भर गया है। इसके कारण विश्वविद्यालय में रखी फाइलों को हटा लिया गया है। इसके अलावा अन्य आवश्यक वस्तुओं को भी कमरों से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

उधर, कुलपति आवास के चारों ओर पानी भरने की सूचना मिलने पर

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में लगा बारिश का पानी। संवाद

जिला प्रशासन इससे बेखबर है। कटहल नाला की सफाई हो जाए तो जलजमाव से जल्दी निजात मिल सकती है। कुलपति ने जिलाधिकारी समेत शासन को इस समस्या के बारे में पत्र लिखा है। -एसएल पाल, कुलसचिव जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

फोन कर कुलपति के लिए अस्थाई आवास की व्यवस्था कराने और कैंपस से जल निकासी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक जिला प्रशासन ने न तो कुलपति के लिए अस्थाई आवास की व्यवस्था कराई और न ही जल निकासी का कोई इंतजाम कराया है। जिससे समस्या ज्यों कि त्यों बनीं हुई है।

प्रवेश के लिए लिया निजी स्कूल का सहारा

बलिया। करीब दो माह से जल भराव का संकट झेल रहे विश्वविद्यालय की मुश्किलें पिछले दिनों हुई बारिश ने बढ़ा दी हैं। आठ अक्तूबर से विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया होनी थी। जल भराव से विवि प्रशासन इसके लिए निजी स्कूल का सहारा लेने को विवश है। संवाद

ऑनलाइन कार्य कर रहीं कुलपति

बलिया। बारिश का पानी भरने के बावजूद कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने शैक्षणिक कार्यों को प्रभावित नहीं होने दिया है। पानी के बावजूद वीसी ने बसंतपुर स्थित एलटू अस्पताल के बगल में विश्वविद्यालय का कैंप कार्यालय बनवाया है और सभी कार्य वहीं करा रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर वह ऑनलाइन मानिटरिंग भी करती हैं। संवाद

राज्यपाल ने दूसरा कैंपस बनाने की कही थी बात

बलिया। यूनिवर्सिटी में बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या को लेकर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 13 मार्च 2021 को द्वितीय दीक्षांत समारोह में कहा था कि किसी अन्य जगह पर प्रशासनिक व शिक्षा व्यवस्था के लिए भवन निर्माण होगा। इसके लिए मंडलायुक्त, डीएम व विश्वविद्यालय प्रशासन बैठ कर जगह के लिए निर्णय लें। संवाद

उत्कृष्ट कार्य के लिए 75 शिक्षकों का सम्मान

मंत्री ने दिए शिक्षकों को स्मृति चिह्न, चंद्रशेखर विवि से संबद्ध संस्थानों के शिक्षकों को मिला सम्मान

जागरण संवाददाता, बलिया : गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है। देश के पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन है। इस अवसर पर जनपद भर में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव होने के कारण जमुना राम पीजी कालेज चितबड़ागांव के सभागार में संपन्न हुआ। समारोह में 75 शिक्षक व शिक्षिकाओं को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री उपेंद्र तिवारी ने कहा कि सरकार शिक्षकों को सम्मानित कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी। कहा कि शिक्षक राष्ट्र व समाज की धुरी होते हैं।

इस मौके पर प्रबंधक डॉ धर्मात्मानंद, डा. प्रमोद शंकर पांडेय, कुलसचिव संतलाल पाल आदि सहित दर्जनों शिक्षकगण मौजूद रहे।

आफिसर्स क्लब में हुआ शिक्षकों का सम्मान : शिक्षक दिवस के अवसर पर आफिसर्स क्लब में प्रबुद्ध व विख्यात शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. जनार्दन राय द्वारा सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मूर्ति के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रजवलन कर

शिक्षक दिवस पर गंगा बहुउद्देशीय सभागार में शिक्षिका को सम्मानित करते मंत्री द्वय उपेंद्र तिवारी व आनंद स्वरूप शुक्ल साथ में विधायक सुरेंद्र सिंह • जागरण

आफिसर्स क्लब में रोटरी क्लब द्वारा सम्मानित प्रबुद्ध शिक्षकों के साथ मुख्य अतिथि डा. जनार्दन राय और साथ में क्लब के सदस्य • जागरण

शिक्षक दिवस

- भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ा रही सरकार : उपेंद्र
- समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम, बोले वक्ता

किया। समारोह में डा. अमलदार निहार, श्सुरेंद्र सिंह, सुनील पांडेय, डा. राजेंद्र प्रसाद, अवरार आलम, प्रदीप कुमार सिंह, गणेश प्रसाद, डा. दूधनाथ यादव, निवेदिता श्रीवास्ताव, ग़ीना सिंह, भाविता पांडेय आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं को माल्यार्पण व अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर रोटेरियन अशोक सेठ, अजीत कुमार सिंह, राजेश जयसवाल, राजीव कुमार, शिखर सहगल चंदन सहगल, अमिताभ श्रीवास्तव, अजीत कुमार, रोहित आदि मौज रहे। हर्ष श्रीवास्ताव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिता का किया गया आयोजन : श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कालेज में सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन के जीवन पर आधारित विषय पर जूनियर व सीनियर वर्ग में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार मनोरंजन सिंह ने पुरस्कृत किया।

भाषण प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कक्षा दस के छात्र ऋतिक राज ने प्रथम, कक्षा नौ के छात्र अली खान द्वितीय व कक्षा नौ के छात्र अभिनंदन कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में कक्षा बारह एम के छात्र विशाल गुप्ता ने प्रथम, संदीप पाठक कक्षा ग्यारह ने द्वितीय व धन जी जायसवाल कक्षा ग्यारह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक रविन्द्र राय, पंकज सिंह, राजेश श्रीवास्तव, सचिन सिंह, लालचंद, स्नेह प्रकाश, रामकुमार तिवारी आदि मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य अखिलेश सिन्हा ने किया।

बेसिक शिक्षा को ऊंचाई देने वाले 91 शिक्षकों को मिला सम्मान

जासं, बलिया : राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल ने बेसिक शिक्षा को नई ऊंचाई देने में जुटे शिक्षकों को सम्मानित करते हुए स्व-प्रेरणा का संदेश दिया। कहा कि आप अपने सोच-विचार और सार्थक भावों से बच्चों के चरित्र तथा ज्ञान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने बीएसए कार्यालय परिसर में स्थित क्रीड़ा बहुउद्देशीय सभागार में 91 शिक्षकों को अंगवस्त्रम व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्रा ने शिक्षक जीवन की चर्चा करते हुए गुरुजनों को बधाई दी। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। इससे पहले बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री के साथ बीएसए शिवनारायण सिंह व राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका प्रतिमा उपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर उन्हें नमन किया। संचालन एआरपी अब्दुल अव्वल ने किया।

प्रतिमा को मिला राज्य शिक्षक सम्मान

राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षा क्षेत्र दुबहड़ के प्रावि अमृतपाली की प्रधानाध्यापिका प्रतिमा उपाध्याय को राज्य परियोजना द्वारा प्रेषित अंगवस्त्र व प्रमाण पत्र से राज्यमंत्री आनंद स्वरुप शुक्ल व बीएसए शिवनारायण सिंह ने सम्मानित किया। प्रधानाध्यापिका ने विद्यालय में किये तमाम नवाचार पर प्रकाश डाला।

गांधी के दर्शन को विश्व ने दी मान्यता

बलिया | संवाददाता

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनायी गयी। कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने ध्वजारोहण किया। 'राष्ट्र निर्माण में महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री का प्रदेय' विषय पर गोष्ठी हुई।

कला संकायाध्यक्ष डॉ फूलबदन सिंह ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाना तभी सार्थक हो सकता है जब हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। विवि परिसर के शैक्षणिक निदेशक डॉ गणेश पाठक ने कहा कि नारी शिक्षा, बुनियादी शिक्षा, स्वच्छता आदि पर गांधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति ने कहा कि गांधी जी के सत्य-अहिंसा के दर्शन को पूरे विश्व ने मान्यता दी। संचालन डा. प्रमोद शंकर पांडे व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संत लाल पाल ने किया। इस दौरान डॉ मनीषा सिंह, डॉ अपराजिता उपाध्याय, अतुल, किशन, अविनाश, सुरेंद्र, चंद्रमा, राजेश रहे।

बैरिया में पूजा-प्रवचन व सफाई अभियान

बैरिया। गांधी व शास्त्री की जयंती कांग्रेस के कैंप कार्यालय शिवानन्द सदन मनाई गई। यहां गायत्री शक्ति पीठ के आचार्य टीएन चौबे व पीसीसी सदस्य सीबी मिश्र समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी। गायत्री पूजन व प्रवचन भी हुआ। द्वाबा संस्कृत प्रचार समिति महाविद्यालय पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ अरविंद राय, चंदन राय, आशुतोष राय, मनीष कुमार, आदि थे।भाजपा युवा मोर्चा ने गांधी जयंती पर सफाई अभियान में राजेश ठाकुर, संदीप सिंह, भरत सिंह, सुमंत माली आदि थे।

मूर्त व अमूर्त कला विरासत को सहेजने की जरूरत

बलिया | संवाददाता

विश्व पर्यटन दिवस पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को 'समावेशी विकास में पर्यटन की उपादेयता' विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी हुई।

मुख्य वक्ता बीएचयू के कला इतिहास व पर्यटन प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो अतुल त्रिपाठी ने कहा कि मूर्त व अमूर्त कला विरासत को सहेजने की जरूरत है। विलुप्त होती भाषाओं, व्यंजनों, लोक संस्कृति को बचाने के साथ इसे पर्यटन से जोड़ा जा सकता है। ऐसा करने पर्यटन स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने के साथ ही हाशिये के लोगों के विकास में अपना योगदान दे सकता है।

विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी (वाराणसी) डॉ सुभाष चन्द्र यादव ने बताया कि बलिया में 100 से भी अधिक पुरातात्विक स्थल हैं, जहां अतीत में एक विकसित मानव संस्कृति के प्रमाण मिलते हैं। कुषाण काल ने खैराडीह में व्यवस्थित नगर संरचना, सीवेज सिस्टम आदि के प्रमाण हैं।अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने कहा कि पर्यटन विश्व की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। शैलेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डा. प्रमोद शंकर पांडे ने किया, जबकि विवि के शैक्षणिक निदेशक डा. गणेश पाठक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालय का कार्य केवल तकनीकी एंव व्यावसायिक
रूप से प्रतिस्पर्धी मनुष्य बनाना नहीं है, अपितु
उनका यह कर्तव्य है कि वे व्यक्तियों को एक-दूसरे
के साथ वास्तव में लोकतांत्रिक रूप से
व्यवहार करने के योग्य
बनायें।

– डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन

The function of the University is not merely to
send out technically skilled and professionally
competent man, but it is there duty to produce
in them the quality which enables the
individual's to treat one another in
a truly democratic spirit

- Dr. Sarvepalli Radhakrishnan

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:

Jananayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com